हिन्दी

कक्षा - V पाठ - 5 जहाँ चाह वहाँ राह प्रश्नोत्तर (भाग-1)

जहाँ चाह वहाँ राह

प्रश्न-1.) इला या इला जैसी कोई लड़की यदि तुम्हारी कक्षा में दाखिला लेती तो तुम्हारे मन में कौन- कौन से प्रश्न उठते ?

उत्तर :— यदि इला या इला जैसी कोई लड़की हमारी कक्षा में दाखिला लेती, तो हमारे मन में निम्नलिखित प्रश्न उठते :—

(i) वह लिखती कैसे होगी ?
(ii) वह खाती कैसे होगी ?
(iii) वह खेलती कैसे होगी ?
(iv) वह कपड़े कैसे पहनती होगी ?

प्रश्न-2.) इस लेख को पढ़ने के बाद तुम्हारी सोच में कुछ बदलाव आए ?

उत्तर :— इस लेख को पढ़ने के बाद हमारी सोच में यह बदलाव आया कि यदि इच्छाशक्ति मजबूत हो तो मनुष्य कठिन से कठिन कार्य को भी आसानी से कर सकता है।

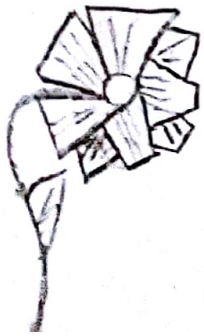

Scanned by CamScanner

मैं भी कुछ कर सकती हूँ...

प्रश्न 1.) यदि इला तुम्हारे विद्यालय में आए तो उसे किन-किन कामों में परेशानी आएगी?

उत्तर :- यदि इला हमारे विद्यालय में आएगी, तो उसे निम्नलिखित कामों में परेशानी आएगी:-

(i) लिखने में।
(ii) खाने में।
(iii) खेलने में।
(iv) अपना सामान उठाने में।

प्रश्न 2.) उसे यह परेशानी न हो इसके लिए अपने विद्यालय में क्या तुम कुछ बदलाव सुझा सकती हो?

उत्तर :- उसे यह परेशानी न हो इसके लिए मैं विद्यालय में निम्नलिखित बदलाव सुझा सकती हूँ:-

(i) मैं विद्यालय प्रबंधन समिति से निवेदन करूँगी कि विद्यालय में एक ऐसे कर्मचारी की नियुक्ति की जाए जो इला जैसी बच्चों का विशेष देखभाल कर सकें।

(ii) इला के अध्यापकों से आग्रह करूँगी कि उसे लिखने का काम कम से कम दिया जाए।

Scanned by CamScanner

प्यारी इला...

इला के बारे में पढ़कर जैसे भाव तुम्हारे मन में उठ रहे हैं उन्हें इला को चिट्ठी लिखकर बताओ। चिट्ठी की रूपरेखा नीचे दी गई है।

छात्रावास
R.S.M पाब्लिक स्कूल,
सुपौल।
दिनांक - 29/06/20

प्रिय इला,

मुझे तुम पर गर्व है। तुम आत्मविश्वास से भरी हो। तुमने अपनी अपंगता को दृढ़ इच्छाशक्ति पर कभी भी हावी नहीं होने दिया। हाथ नहीं होने के बावजूद भी तुमने कशीदाकारी जैसी मुश्किल कला में निपुणता हासिल की। तुम्हारी जैसी लड़की समाज के लिए प्रेरणा स्रोत है।

ईश्वर तुम्हें सदैव खुश रखें।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ
तुम्हारी / तुम्हारा

.....

Scanned by CamScanner

सवाल हमारे, जवाब तुम्हारे

प्रश्न 1.) इला को लेकर स्कूल वाले चिंतित क्यों थे? क्या उनका चिंता करना सही था या नहीं? अपने उत्तर का कारण लिखो।

उत्तर :- स्कूल वाले इला की सुरक्षा तथा उसके काम करने की गति को लेकर चिंतित थे। उनका चिंता करना कुछ हद तक सही था, कुछ हद तक नहीं। जहाँ तक उसकी सुरक्षा संबंधी चिंता थी, वह तो सही था परन्तु उसके काम करने की गति को लेकर चिंतित होना सही नहीं था क्योंकि कुछ काम तो इला इतनी तेजी से करती थीं कि देखने वाले दंग रह जाते थे।

प्रश्न 2.) इला की कशीदाकारी में खास बात क्या थी?

उत्तर :- इला की कशीदाकारी में काठियावाड़ के साथ-साथ लखनऊ एवं बंगाल की झलक थी। उसने काठियावाड़ी टाँकों के साथ-साथ और कई टाँके भी इस्तेमाल किए थे। पत्तियों को चिकनकारी से सजाया था। डंडियों को कांथा से उभारा था। पशु-पक्षियों की ज्यामितीय आकृतियों को कसूती और जंजीर से उठा रखा था।

Scanned by CamScanner

सवाल हमारे, जवाब तुम्हारे

प्रश्न 3.) सही के आगे (✓) का निशान लगाओ
इला दसवीं की परीक्षा पास नहीं कर सकी, क्योंकि...

* परीक्षा के लिए उसने अच्छी तैयारी नहीं की थी।
* वह परीक्षा पास नहीं करना चाहती थी।
* लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।
* उसको पढ़ाई करना कभी अच्छा लगा ही नहीं।

उत्तर :- लिखने की गति धीमी होने के कारण वह प्रश्न-पत्र पूरे नहीं कर पाती थी।

प्रश्न 4.) क्या इला अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना सीख पाती, अगर उसके आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते?

उत्तर :- यदि इला के आस-पास के लोग उसके लिए सभी काम स्वयं कर देते और उसको कुछ करने का मौका नहीं देते, तो इला अपने पैर के अँगूठे से कुछ भी करना नहीं सीख पाती।

Scanned by CamScanner

पाठ में आए कठिन शब्द एवं उनके अर्थ

परंपरा :- प्रथा
पारंपरिक :- परंपरागत
परीक्षा :- इम्तिहान
गति :- रफ्तार
अतिरिक्त :- अलावा
परिधान :- वस्त्र
कोशिश :- प्रयास
धैर्य :- सब्र
मिसाल :- उदाहरण
कुदरत :- प्रकृति
इस्तेमाल :- प्रयोग
नवीनता :- नयापन

Scanned by CamScanner